Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to cover crops growing in Rajasthan under Minimum Support Prices.

श्री हनुमान बैनिवाल (नागौर): अध्यक्ष महोदय, मैं राजस्थान सहित देश के किसानों की मांग की तरफ भारत सरकार का ध्यान आकर्षित कराना चाहूँगा । वैसे तो एम.एस.पी. पर सबसे ज्यादा रिकॉर्ड खरीद पिछले पांच साल के अन्दर राज्यों में, देश के अन्दर हुई, लेकिन और किसानों की आत्महत्याएं भी देश के विभिन्न कोनों के अन्दर बढ़ रही हैं ।

अध्यक्ष महोदय, हमारी एक मांग है, एम.एस.पी. के अन्दर ज्यादातर जो भी क्राप्स थीं, उसको आप ले रहे हैं, लेकिन कुछ विशिष्ट फसलें जैसे ग्वार, मोठ, जीरा, धनिया, लहसुन, ईसबगोल, अरण्डी, चौला, ग्वारपाठा और मेहंदी, ये सभी बहुतायत में राजस्थान में होती हैं, अन्य स्टेट्स के अंदर भी होती हैं । अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके माध्यम से यह मांग रहेगी कि इन फसलों को भी एम.एस.पी. के अन्दर समर्थन मूल्य के अन्दर लिया जाए, सूचीबद्ध किया जाए ताकि किसानों को बहुत बड़ी राहत मिले । राजस्थान के सहकारिता सचिव ने जब विधान सभा में हम थे, बार-बार इस मामले को उठाया, कई बार पत्राचार भी दिल्ली की सरकार से किया, तो मेरी आपके माध्यम से मांग रहेगी कि इन प्रमुख फसलों को जो राजस्थान के अलावा देश के अन्य भागों के अन्दर होती है, इसके अन्दर किसानों को पैसा भी ज्यादा मिलेगा । समर्थन मूल्य की कई बार ऐसी स्थिति हो जाती है, अध्यक्ष महोदय, मैं एक उदाहरण दूंगा । जैसे प्याज है, वह राजस्थान के अन्दर बहुत ज्यादा तादाद में होता है और प्याज 100 रुपये क्विंटल किसान बेचने को मजबूर होता है । कई बार वह सड़कों पर प्याज, टमाटर फेंक देता है । ऐसी स्थिति भी देश के अन्दर बनी । मेरा सरकार से यही निवेदन है कि किसानों की आर्थिक स्थिति कैसे ठीक हो, क्योंकि प्रधान मंत्री जी काफी गंभीर हैं । इस मामले पर ध्यान देकर इन विशिष्ट फसलों को समर्थन मूल्य की सूची में शामिल किया जाना चाहिए, धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष :

श्री देवजी एम. पटेल एवं

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री हनुमान बैनिवाल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।